SHRAWAN KUMAR
GEOGRAPHY DEPARTMENT
GOVT. DEGREE COLLEGE,
PAKRIDAYAL.
B.R.A. UNIVERSITY, MUZZAFARPUR.
email:- sharwanp2it@gmail.com
M.NO:→ 9308751307.

AGRICULTURE OF JAPAN

जापान में प्रति व्यक्ति कृषि उत्पादन तथा इसके उत्पादन में तेजी से वृद्धि होने के बावजूद यहां कृषि क्षेत्र औद्योगिक उत्पादन की अपेक्षा कम है इसलिए यहां बड़े पैमाने पर किसान कृषि को छोड़ औद्योगिक क्षेत्रों में जा रहे हैं जो लोग कृषि क्षेत्र में लगे हैं वे उद्योगों से सम्बन्धित वस्तुओं के उत्पादन द्वारा अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं फार्म 10 हेक्टेयर से कम हैं, परंतु होकैडो में इनके आकार 10-20 हेक्टेयर तक हैं

जापान का लगभग आधा भाग कृषि क्षेत्र सिंचाई साधनों के अन्तर्गत है नहरों का जाल बिछा हुआ है जल को ऊँचे तालाबों से वेदिकाओं तक लाया जाता है पांव से चलने वाले पम्प प्रयोग करके जल को लिफ्ट किया जाता है बिजली के पम्प भी लोकप्रिय हो रहे हैं

(REGIONAL DISTRIBUTION OF CROPS)

फसलों का प्रादेशिक वितरण

मुख्य फसलें (main crops) :-

(i) चावल (Rice) :→

यह जापान की मुख्य फसल है यह लोगों की मुख्य खाद्य फसल है अन्य प्रदेश में चावल केवल 5% है शेष मैदानी भागों में है चावल का प्रयोग शराब आदि बनाने में भी किया जाता है चावल का यहां के कृषि क्षेत्र में 40% उत्पादन होता है इटली तथा स्पेन को छोड़ जापान सबसे अधिक प्रति हेक्टेयर चावल उत्पादन करने वाला देश है यहां 6330 kg प्रति हेक्टेयर उत्पादन होता है यह विश्व में कुल उत्पादन का 2.5% है होशू, शिकोकू,

क्यूशू द्वीप मुख्य चावल उत्पादक क्षेत्र है होंशू में सिरोची सबसे अधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

(ii) गेहूं तथा जौ (wheat and Barley) :- गेहूं का मुख्यतः 37° अक्षांश रेखा के दक्षिण में उत्पादन होता है जहां इसे सर्दियों की फसल का रूप माना जाता है इसी प्रकार जौ का उत्पादन होता है इनका उत्पादन शुष्क क्षेत्रों में अन्य फसलों के साथ होता है विश्व स्तर पर उत्पादन क्षमता अधिक है यह संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्पादन का दुगुना उत्पादन करती है गेहूं तथा जौ की जापान के सभी भागों में कृषि होती है जहां वर्षा कम हो। यह समतल मैदानों की मुख्य फसल है

(iii) मीठे आलू (Sweet potatoes) :- यह स्टार्च प्रदान करने वाली मुख्य फसल है मीठे तथा सफेद आलू का कुल कृषि क्षेत्र में 8% भाग है 37° समानान्तर के दक्षिण में मीठे आलू बोए जाते हैं होंशू में क्वान्टो मैदान महत्वपूर्ण क्षेत्र है इसका उत्पादन काली मिट्टी में होता है जो चावल की कृषि के लिए उपयोगी नहीं होती इसे 'गरीबों का भोजन' कहा जाता है जापान प्रति वर्ष । मिलियन टन आलू उत्पादन करता है

(iv) मोटा अनाज (Millet) :- इसका उत्पादन उत्तरी टोहोकू तथा होकैडो में उच्च मैदानों पर स्थित फार्मों पर होता है

(v) सोयाबीन तथा मटर (Soyabeans and peas):→

कुल कृषि क्षेत्र का 60% भाग इनका इन फसलों ने 10 लाख टन उत्पादन होता है प्रतिवर्ष

(vi) सब्जियां (vegetables)→

यह कुल कृषि क्षेत्र के 5% भाग में उत्पादित की जाती है इनका उत्पादन नगरीय केन्द्रों के नजदीक द्वीपों पर अधिक होता है

(vii) तेल के बीज (oil seeds):→

तेल के बीजों ने कुल कृषि क्षेत्र का 2% भाग घेर कर रखा है इनका मुख्यत: नगोया, बीवा झील तथा क्यूशु झील के दक्षिणी तटों पर उत्पादन होता है

(viii) फलों के वृक्ष (Fruit trees):- इनका भाग 2% है। रसदार फल; मुख्यत: संतरों का कांटो में उत्पादन होता है अन्य क्षेत्र है - शिजोका, वकायमा, कैन, क्यूशू तथा सागर के तटीय क्षेत्र। संतरा जापान का मुख्य फसल है फल है ये 37° अक्षांश के दक्षिण में उत्पादित होते हैं

(ix) चाय (Tea):-)

यह चाय उपकटिबन्धीय पौधा है इसका उत्पादन 37° अक्षांश रेखा के उत्तर में नहीं किया जा सकता। इसका उत्पादन छोटे-छोटे भागों पर होता है मुख्य चाय उत्पादन क्षेत्र है - उच्च मैदान क्षेत्र (हरमा बोर्ड) तथा कवांटो क्षेत्र। नागोया तथा क्योटो के

के कुछ भाग। इसी चाय उत्पादन का 1/3 भाग निर्यात होता है। चाय उत्पादन चीन के दक्षिण-पूर्व के पहाड़ी ढलानों पर होता है। अच्छी उपजाऊ मिट्टी, गर्म जलवायु, पर्याप्त वर्षा, महिला मजदूरी की उपलब्धि द्वारा उच्च आर्द्रता चाय की कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(x) शहतूत (Mulberry) —
शहतूत के वृक्ष एक बड़े क्षेत्र पर मिलते हैं इन पर रेशम के कीड़े पाले जाते हैं ये वृक्ष पहाड़ी मिट्टी पर उगाए जाते हैं या रेतीले मैदान पर या नदियों के किनारों पर। गर्म ग्रीष्म ऋतु तथा सम तापमान इसकी कृषि के अनुकूल है। चेकियांग, हुपेह, क्वांटो, सिचान तथा यांग्त्सी घाटी में अधिक उत्पादन है।